(9) Seat No: _____ No. of Printed Pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A. II[nd] Semester (Hindi) EXAMINATION (NC)

Tuesday,18[th] October-2016

10-00 a.m.to1-00 p.m.

PA02CHIN01 (रीति काव्य)

पूर्णांक : 70

प्रश्न-1. बिहारी श्रृंगारिकता पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा (17)

पद्माकर के काव्य के पठित अंश का भावार्थ लिखिए।

प्रश्न-2. घनानंद की काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए।

अथवा (17)

देव कृत 'दीपशिखा' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न-3. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए- (18)

क. बिहारी के नीतिपरक दोहें

अथवा

पद्माकर की जीवनी

ख. रीतिकाल में घनानंद का स्थान

अथवा

देव की भाषा

प्रश्न-4 ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। (18)

क . "निज पति ही के प्रेममय जाको मन बच काइ।
कइत सुकीया ताहि को लज्जासील सुजाई ।।"

अथवा

क. "सूधेहू नैन लखे न तबै अब पैये कहाँ जब चाहत हेरौ।
कान करे नहिं कान तबै तकि कान लगे अकुलान धनेरौ।।
लाजहिं जाइ मिले उत ए इत मोहिं मिले मग मेटत मेरौ।
मेटों मनोरथ मैं इनको तौ मिटै मन मेरे मनोरथ तेरौ।।"

ख. "घनआनंद जीवनमूल सुजान की कौंध नहूं न कहूं दरसै।
सु न जानिये धौं कित छाय रहे दृग चातिग प्रान तत्रे तरसैं।।
बिन पावस तौं इन थ्याबस हो न सु क्यौं करि ये अब सो परसैं।
बदरा बरसै रितु मै धिरिकै नितही अंखिया उघरी बरसैं।। "

अथवा

ख. "नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल।
अली, कली ही सौं बंध्यौ, आगैं कौन हवाल ।।"

—X—